हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 19 अक्टूबर 2026

9 ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन....



10 ओपन महिला फुटबॉल स्पर्धा में चरखी की टीम ने स्लम



GEETA NIKETAN COLLEGE OF NURSING
Recognised by HNRC Panchkula (Govt. of Haryana) Affiliated by Pt. B.D. Sharma U.H.S. Rohtak
REGISTRATION OPEN
Session 2026-27
AC HOSTEL Facility Available
P.B. B.Sc. NURSING
2 Years GNM Pass
GNM
3 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students
ANM
2 Years 12th Any Stream
No Fees for S.C. Students
B.Sc. NURSING
4 Year | 10+2 (Medical)
Loharu Road, Charkhi Dadri M. 9812538777, 9034669933



खबर संक्षेप

झोझूकलां में शहीद की प्रतिमा का अनावरण आज

चरखी दादरी। कस्बा झोझू कलां स्थित शहीद स्मारक पर 19 अक्टूबर को अमर शहीद नायक राजबीर सिंह सांगवान की प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा। शहीद के छोटे भाई सुरेश सांगवान ने बताया कि देश सेवा के दौरान शहीद हुए राजबीर सिंह सांगवान की स्मृति को चिरस्थायी बनाने के लिए प्रतिमा स्थापित की जा रही है। उन्होंने बताया कि 19 अक्टूबर 1987 को श्रीलंका में शांति सेना भेजी गई थी। इसी दौरान सैन्य अभियान में नायक राजबीर सिंह सांगवान शहीद हो गए थे। समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल एएस कांदल मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। सांसद धर्मबीर सिंह, बाढ़ड़ा विधायक उमेद सिंह पातुवास, दादरी विधायक सुनील सांगवान और सांगवान खाप प्रधान एवं पूर्व विधायक सोमवीर सांगवान भी उपस्थित रहेंगे।

दुकान से सामान लेने गई युवती लापता

लोहारू। शहर निवासी 19 वर्षीय युवती के लापता होने का मामला प्रकाश में आया है। युवती के दादा की शिकायत पर लोहारू पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के दादा ने बताया कि उसकी 19 वर्षीय पौत्री घर के पास ही एक दुकान से सामान लेने गई थी लेकिन उसके बाद वह वापस नही लौटी। पुलिस ने शिकायत दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

सुल्फा तस्करी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

भिवानी। पुलिस की सीआईए स्टाफ-2 भिवानी की टीम ने मादक पदार्थ सुल्फा की तस्करी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया है। सीआईए स्टाफ-2 भिवानी के उप निरीक्षक बलजीत सिंह अपनी टीम के साथ गांव लोहानी में मौजूद थे। इसी दौरान विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि गांव लोहानी में बाबा योगीनाथ अस्पताल के सामने एक व्यक्ति मादक पदार्थ सुल्फा बेचने की फिराक में खड़ा है। पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर दबिश दी और एक व्यक्ति को मादक पदार्थ सुल्फा सहित काबू कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गोपाल निवासी भरान, जिला रोहतक के रूप में हुई है। पुलिस टीम ने आरोपी के कब्जे से 01 किलो 27 ग्राम मादक पदार्थ सुल्फा बरामद किया है।



पुलिस ने नाकाबंदी कर 112 वाहन जांचे

चरखी दादरी। जिले में अपराध और नशा तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए दादरी पुलिस ने बीती मध्यरात्रि दादरी-झज्जर मुख्य मार्ग स्थित इमलोटा नाके पर सघन नाकाबंदी अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस टीम ने रातभर वाहनों की जांच की और संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की। अभियान का नेतृत्व डीएसपी कप्तान सिंह ने किया। उनके साथ इंस्पेक्टर राजपाल सहित 16 पुलिस जवानों की टीम तैनात रही। पुलिसकर्मियों ने मार्ग से गुजरने वाले छोटे-बड़े 112 वाहनों की जांच की और संदिग्ध सामान की तलाशी ली। यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 10 वाहनों के नियमानुसार चालान काटे गए।

विधायक व चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने नारियल फोड़कर करवाया निर्माण कार्य शुरू

2.5 करोड़ की लागत से सुधरेगी न्यू विद्यानगर की गलियों की सेहत

कॉलोनी के लोगों ने नई सीवर लाइन और पेयजल लाइन डलवाए जाने की मांग की





भिवानी। नारियल फोड़कर गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाते और न्यू विद्यानगर में लोगों की समस्याएं सुनते विधायक सर्राफ और नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

रविवार को विधायक घनश्याम सर्राफ ने नप की तरफ से न्यू विद्यानगर के लोगों को करीब ढाई करोड़ रुपये की सौगात दी। विधायक सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़कर उक्त कॉलोनी में करीब दस गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया।

इस दौरान पार्षद सुक्रमपाल की तरफ से वहां पर मौजूद सभी लोगों का मुंह मीठा करवाया। साथ ही इस दौरान उक्त कॉलोनी के लोगों ने नई सीवर लाइन व पेयजल की नई लाइन डलवाए जाने की मांग की। जिस पर विधायक सर्राफ ने तत्काल उनकी इस समस्या का समाधान करवाए जाने के लिए पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों से बात की और एस्टीमेट बनाए जाने के भी निर्देश दिए। इससे पूर्व वहां पर पहुंचने पर लोगों ने विधायक श्री सर्राफ व नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह का स्वागत किया। दोनों जनप्रतिनिधियों ने वहां के लोगों को भरोसा दिलाया कि उनके क्षेत्र में विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाए जाने के बाद वहां पर विधायक श्री सर्राफ ने लोगों की समस्याएं सुनी। इस दौरान लोगों ने बताया कि उनके इलाके में कई जगहों पर सीवर लाइन ही नहीं है तो कई जगहों पर सीवर लाइन जर्जर हो चुकी है। जिस वजह से घरों से निकलने वाला गंदा पानी सीवर में जाने की बजाए सड़कों पर ही फैलता रहता है। इसी तरह पेयजल सप्लाई की लाइन पुरानी हो चुकी है। साथ ही आबादी भी बढ़ी है। जो लाइन बिछाई गई थी। वह छोटे साइज की है। जिस वजह से गली व मोहल्लों के अंतिम छोर तक पूरा पानी नहीं पहुंच पाता। इस पर विधायक ने पब्लिक हेल्थ विभाग के अधिकारियों को तत्काल दोनों तरह की लाइनों का एस्टीमेट बनाने के निर्देश दिए है।

कोई गली नहीं रहेगा कच्ची: भवानी प्रताप

नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि न्यू विद्यानगर में विकास कार्यों की कमी नहीं रहने दी जाएगी। आज ढाई करोड़ रुपये की लागत से करीब दस गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाया गया है। अगर इसके बाद कोई गली कच्ची बचती है तो उस बारे में उनके पास सूचना दे। वे मौके पर पहुंचकर तुरंत उसका एस्टीमेट बनवाकर कार्य शुरू करवाएंगे। इनके अलावा क्षेत्र के विकास के लिए अन्य प्रस्तावित योजनाओं का खाका तैयार किया जा रहा है।

भिवानी से सीएम का विशेष लगाव : सर्राफ

विधायक घनश्याम सर्राफ ने बताया कि भिवानी के साथ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का विशेष लगाव है। वे भिवानी के विकास के लिए दिल खोल कर बजट जारी कर रहे हैं। उनके पास सार्वजनिक कार्य लेकर आए। उनको तत्काल पूरा करवाया जाएगा। इस मामले में कोई ढिलाई नहीं होगी। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में नायब सिंह सैनी की अगुवाई में विकास की गंगा बह रही है। पूरे प्रदेश में एक समान कार्य करवाए जा रहे है। अधिक से अधिक विकास करना प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है।

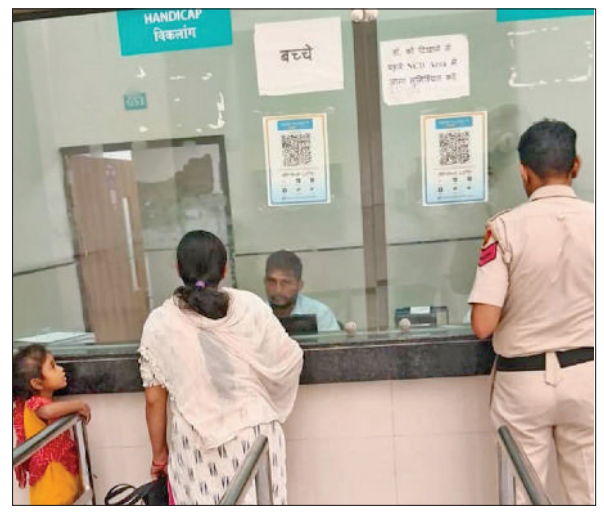

भिवानी। अस्पताल की ओपीडी में लगे स्कैनर। फोटो: हरिभूमि

सामान्य अस्पताल में अब पर्ची के लिए कर सकेंगे डिजिटल भुगतान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

■ काउंटर पर लगाया क्यूआर कोड, मरीजों और तीमारदारों की परेशानी हुई दूर

चौधरी बंसीलाल राजकीय सामान्य अस्पताल में उपचार करवाने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को अब पर्ची कटवाने के लिए जेब से नगद पैसे निकाल कर देने के झंझट से निजात मिल गई है। स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल में क्यूआर कोड की सुविधा शुरू कर दी है, जिसके माध्यम से डिजिटल भुगतान कर सकेंगे। सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य ने बताया कि अस्पताल में उपचार के लिए आने वाले मरीज और उनके तीमारदारों की सुविधा के लिए अस्पताल में डिजिटल भुगतान यानी कैसलैश सुविधा शुरू की गई है। अब मरीजों को पर्ची कटवाने के लिए जेब की तरफ नहीं देखना पड़ेगा। तीमारदार या मरीज आसानी से क्यूआर कोड को स्कैन करके पर्ची कटवा सकेंगे।

उन्होंने बताया कि आमतौर पर खुले पैसे नहीं होने की वजह से न केवल मरीजों को बल्कि काउंटर पर नियुक्त स्टाफ सदस्यों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता था। क्यूआर कोड लगाने से यह दुविधा भी अब दूर हो गई है। उन्होंने बताया कि समान्य अस्पताल के अलावा सीएचसी में भी यह सुविधा शुरू की जा रही है। वहीं दूसरी ओर डॉ अनीता कत्याल ने बताया कि अस्पताल में सैकड़ों मरीज रोजाना उपचार के लिए आते हैं, पैसे खुले नहीं होने के कारण आपातकाल की स्थिति में मरीजों के लिए परेशानी और अधिक बढ़ जाती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। मरीज और उनके साथ आने वाले तीमारदारों के लिए यह बड़ी ही राहत भरी सुविधा है। अब समय की भी बचत होगी। एक तरह से खिड़की पर पर्ची कटवाने के दौरान खुले पैसे नहीं होने के चलते बनने वाली मानसिक परेशानी निश्चित रूप से दूर होगी।

एचसीएस परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले रजत फोगाट को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी



भिवानी। रजत फोगाट को सम्मानित करते सांसद धर्मबीर सिंह व अन्य ।

हरियाणा सिविल सर्विस (एचसीएस) परीक्षा में छठा रैंक हासिल करने वाले रजत फोगाट को सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह और भाजपा जिला अध्यक्ष राष्ट्रदीप परमार ने उनके निवास पर पहुंचकर सम्मानित किया। उन्होंने रजत को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रजत फोगाट एचडी स्कूल के संचालक बलराज फोगाट के सुपुत्र हैं। उनकी सफलता से परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि रजत फोगाट ने मेहनत, लगन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। हरियाणा सिविल सर्विस जैसी प्रतिष्ठित परीक्षा में छठा स्थान प्राप्त करना उनकी प्रतिभा और निरंतर प्रयासों का परिणाम है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

परिवार को दी बधाई: सांसद धर्मबीर सिंह ने उम्मीद जताई कि रजत भविष्य में प्रशासनिक सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ करेंगे। भाजपा जिला अध्यक्ष राष्ट्रदीप परमार ने कहा कि रजत फोगाट की उपलब्धि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता उन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत है, जो सिविल सर्विस में अपना करियर बनाना चाहते हैं। इस दौरान सांसद और जिला अध्यक्ष ने रजत फोगाट के परिवार को भी बधाई दी।

साहिल यादव ने पहले प्रयास में पास की एचसीएस परीक्षा



चरखी दादरी। नगर के वार्ड 19 स्थित रामनारायण कॉलोनी निवासी साहिल यादव ने हरियाणा सिविल सेवा (एचसीएस) परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। साहिल ने अपने पहले ही प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण की है। उन्हें आबकारी एवं कराधान अधिकारी (ईटीओ) का पद मिला है। साहिल यादव की इस उपलब्धि से उनके परिवार और क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा पूरी करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित हिंदू कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की। कॉलेज के समय से ही उनका लक्ष्य सिविल सेवा में शामिल होकर देश और प्रदेश की सेवा करना था। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए उन्होंने परीक्षा की तैयारी के लिए नियमित अध्ययन, कड़ी मेहनत और सुनियोजित रणनीति अपनाई। उनके प्रयासों का परिणाम रहा कि उन्होंने पहले ही प्रयास में यह सफलता हासिल कर ली। साहिल ने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने दादा नंद राम यादव, पिता महेंद्र यादव और माता रेणु यादव के मार्गदर्शन, सहयोग और प्रेरणा को दिया। परिजनों के अनुसार, साहिल बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रहे हैं। उन्होंने लक्ष्य को हासिल करने के लिए मेहनत की और कठिन परिस्थितियों में भी हिम्मत बनाए रखी। साहिल की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणा का उदाहरण है।

ठोस कचरा प्रबंधन नियम का पालना करना अनिवार्य: एडीसी

भिवानी। डीसी साहिल गुप्ता के मार्गदर्शन में लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में एडीसी दीपक बाबूलाल करवा की अध्यक्षता में ठोस कचरा प्रबंधन को लेकर संबंधित विभागों के अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में एडीसी ने कहा कि ऐसे संस्थान जो प्रतिदिन 100 किलो या इससे अधिक ठोस कचरा जनरेट करते हैं, ऐसे संस्थान, जिसका दायरा 20000 स्क्वायर मीटर से बड़ा है और ऐसे संस्थान जहां प्रतिदिन 40000 लीटर पानी का प्रयोग होता है, इन संस्थाओं का पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन जरूरी है और इन संस्थानों के परिसर में ठोस कचरा प्रबंधन अनिवार्य है। ऐसा नहीं करने वाले संस्थानों के अस्थाई तौर पर बिजली और पानी के कनेक्शन काट दिए जाएंगे। एडीसी ने बताया कि जिले में ऐसे 23 संस्थाओं की पहचान की जा चुकी है। उन्होंने पंचायत विभाग और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि ठोस कचरा प्रबंधन नियम- 2026 की पालना करना अति अनिवार्य है। नियमों की अवहेलना करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ऐसे संस्थानों में ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 की पालना सुनिश्चित की जाए।

दीपक प्रधान और अनिल नागर बने रोडवेज भिवानी डिपो के सचिव



भिवानी। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन की ओर से बस स्टैंड स्थित यूनियन कार्यालय में भिवानी डिपो और लोहारू व तोशाम सब डिपो के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व डिपो प्रधान एवं नवनियुक्त चेयरमैन अनिल फौजी ने की, जबकि मंच संचालन राज्य महासचिव पवन शर्मा ने किया। समारोह में राज्य प्रधान नरेंद्र दिनोद ने सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों और कर्मचारियों से सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया। राज्य सचिव सुमेर सिवाच ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई।सर्वसम्मति से दीपक धनाना को भिवानी डिपो का प्रधान और अनिल नागर को दोबारा सचिव चुना गया। विष्णु व राजपाल कितलाना को वरिष्ठ उपप्रधान, सोनू प्रजापत व सोनू लखेरा को सहसचिव, हेमानंद शर्मा को कोषाध्यक्ष, कैलाश गुर्जर को प्रेस सचिव और गुलशन राणा को संगठन सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई। कार्यक्रम में विभिन्न कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

लापरवाही | ब्रेकर से उछल कर पलट रहे हैं वाहन

शहर के सबसे व्यस्तम हांसी-भिवानी मार्ग पर पुल के पास बना है सबसे ऊंचा ब्रेकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

शहर की तंग गलियों, कस्बों व देहात में तो बिना प्रमशिन के बने अनेक ब्रेकर बने नजर आ जाएंगे। जो कि न तो किसी नियम के हिसाब से बने और न ही उन पर कोई संकेतक (सफेद पट्टी या रिफलेक्टर) लगा हुआ है। यही हाल पीडब्ल्यूडी बींएडआर द्वारा बनाए गए ब्रेकर की हालात है।

अधिकांश ब्रेकरों पर न तो सफेद पट्टी लगी है और न ही उन पर कोई रिफलेक्टर लगा हुआ है। शहर के सबसे व्यस्तम हांसी-भिवानी मार्ग पर पुल के पास बना ब्रेकर सबसे ऊंचा है। हैरानी की बात यह है कि उक्त ब्रेकर पर न तो कोई सफेद पट्टी लगी है और न ही कोई संकेतक लगा है। उजियारा में भी वाहन चालकों यह ब्रेकर दिखाई नहीं देता। रात के वक्त तो इनका कतई पता नहीं लग पाता। जिससे हादसे होते देर नहीं लगती है। दूसरी तरफ कस्बों व देहात में स्थिति और भी दयनीय बनी है। ग्रामीण इलाकों में लोग मनमर्जी की जगह ब्रेकर तैयार कर देते हैं। उस बारे में विभाग को जानकारी होती है,लेकिन उनके प्रति कोई कदम नहीं उठाते। जाटू लोहारी से पुर की तरफ जाने वाले लिंक मार्ग पर गांव से थोड़ा-सा निकलते ही अंधा मोड़ (नब्बे डिग्री का मोड़) बना हुआ है।



भिवानी। ब्रेकर जिस पर न तो सफेद पट्टी और न ही रिफलेक्टर लगा है।

अफसर नहीं उठाते फोन

इस बारे में विभाग के कनिष्ठ अभियंता असलम खान से बातचीत की तो उन्होंने जानकारी होने से इंकार करते हुए कहा कि वे कार्यकारी अभियंता से इस बारे में जानकारी ले। जब कार्यकारी अभियंता डागर से बात करने का प्रयास किया तो उन्होंने फोन ही नहीं उठाया।

मनुष्य अपूर्ण है इसलिए सत्य का विकास जो उसके द्वारा होता है अपूर्ण होता है। यही विकास का रहस्य है। यदि ऐसा न हो तो ज्ञान की वृद्धि असंभव हो जाय।

- जयशंकर प्रसाद



पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही, जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था।



प्रेम का विसर्जन



कहानी

मनीषा मंजरी

धूप की हल्की सुगंध, घंटियों की आवाज़ और दूर से आती ढाक की थाप... पूरा शहर जैसे मां दुर्गा के आगमन के रंग में डूबा हुआ था। जगह-जगह सजे विशाल मंडपों में रोशनी झिलमिला रही थी और नीले आकाश के नीचे हर ओर भक्ति, उल्लास और उत्सव की छटा बिखरी थी। उसी भीड़ में काव्या मां दुर्गा की प्रतिमा के सामने हाथ जोड़े खड़ी थी। आंखें बंद थीं। पिछले तीन वर्षों से वह इसी तरह यहां आती, प्रतिमा के सामने खड़ी होती, आंखें बंद करती और हर बार एक ही प्रार्थना दोहराती,

"मां... उसे वापस कर दो।"

पहले वर्ष उसकी आंखों में उम्मीद थी, दूसरे वर्ष इंतज़ार, और तीसरे वर्ष तक उम्मीद उसके भीतर कहीं इतनी गहराई में जम चुकी थी कि अब वह दिखाई नहीं देती थी, फिर भी सूखती नहीं थी, ठीक वैसे ही जैसे बरसात के बाद मिट्टी में बची नमी। सौरव... उसका नाम लेते ही काव्या के भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता था। उसे आज भी याद था, वह पहली दुर्गा पूजा, जब सौरव ने उसे लाल चूड़ियों का एक छोटा-सा डिब्बा देते हुए कहा था,

"तुम पर लाल रंग अच्छा लगता है।"

काव्या ने चूड़ियां हाथ में लेते हुए मुस्कुराकर पूछा था,

"और अगर मुझे पसंद नहीं आया तो?"

सौरव हंसा था।

"तो अगले साल रंग बदल दूंगा।"

काव्या खिलखिला पड़ी थी। उसे कहां पता था कि कुछ रंग जीवन में इतने गहरे उतर जाते हैं कि वर्षों बाद भी उनसे बाहर निकलना आसान नहीं होता। उनका प्रेम किसी फिल्मी कहानी जैसा नहीं था। वह चाय के छोटे-छोटे कपों, देर रात तक चलने वाली फोन कॉलों, अचानक हुई बारिशों और उन अनगिनत बातों से बना था जिनका कोई विशेष अर्थ नहीं होता, फिर भी जिनके बिना प्रेम अधूरा लगता है। सौरव उसके सपनों को जानता था। काव्या लेखिका बनना चाहती थी, वह अक्सर कहता,

"तुम्हें अपनी किताब लिखनी चाहिए। मैं सबसे पहले पढ़ूंगा।"

काव्या हंसकर कहती,

"पहले तुम मुझे पूरा पढ़ तो लो।"

शायद वह पढ़ रहा था, या शायद दोनों एक-दूसरे को पढ़ते-पढ़ते अपने हिस्से की कहानी कहीं खो बैठे थे। एक शाम सौरव ने कहा,

"काव्या, मैं तुमसे शादी करना चाहता हूं।"

काव्या ने कोई उत्तर नहीं दिया, बस अपना सिर उसके कंधे पर रख दिया। उसे लगा, यही उत्तर काफी है। लेकिन कुछ महीनों बाद सौरव बदलने लगा। फोन कम हो गए, मुलाकातें टलने लगीं, और उसके शब्दों में पहले जैसी सहजता नहीं रही। एक दिन उसने कहा,

"मेरे घर वाले नहीं मानेंगे।"

काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही, फिर पूछा,

"और तुम?"

सौरव ने आंखें झुका लीं।

"मैं... कोशिश करूंगा।"

उस दिन काव्या ने पहली बार जाना था कि कुछ रिश्ते "मैं कोशिश करूंगा" और "मैं तुम्हारे साथ हूं" के बीच ही मर जाते हैं। कुछ सप्ताह बाद सौरव ने रिश्ता खत्म कर दिया, न कोई बड़ा झगड़ा हुआ, न कोई आरोप। बस एक शांत-सा वाक्य,

"काव्या, मैं तुमसे प्यार करता हूं... लेकिन मैं अपने परिवार के खिलाफ नहीं जा सकता।"

वह हंसना चाहती थी, रोना चाहती थी। उससे पूछना चाहती थी कि फिर उसके प्रेम का अर्थ क्या था? लेकिन उसने कुछ नहीं पूछा। बस कहा,

"ठीक है।"

उस दिन के बाद उसने सौरव को कभी फोन नहीं किया। लेकिन हर दुर्गा पूजा पर मां से उसे वापस मांगती रही। शायद इंसान कई बार किसी व्यक्ति को नहीं, उस व्यक्ति के साथ देखे हुए अपने भविष्य को वापस मांगता है।

तीन वर्ष बीत गए। काव्या ने नौकरी शुरू कर दी थी। उसने फिर से लिखना शुरू कर दिया था। अपनी किताब का पहला अध्याय भी पूरा कर लिया था। लोग कहते थे, वह आगे बढ़ गई है। उसे भी कभी-कभी ऐसा लगता था। लेकिन दुर्गा पूजा आते ही उसके भीतर जैसे कोई पुराना दरवाज़ा खुल जाता। उस वर्ष जब अष्टमी की रात वह पंडाल पहुंची थी। ढाक की आवाज़ के बीच अचानक उसे लगा जैसे किसी ने उसका नाम पुकारा हो।

"काव्या..."

उसने पलटकर देखा, सामने सौरव खड़ा था। वही आंखें, वही आवाज़, बस चेहरे पर तीन वर्षों की थकान कुछ अधिक साफ दिखाई दे रही थी। काव्या कुछ क्षण उसे देखती रही। यह कोई भ्रम नहीं था, वह सचमुच सौरव था।

"कैसी हो?"

काव्या के होठों पर हल्की-सी मुस्कान आई।

"ठीक हूं।"

सौरव ने उसकी आंखों में देखते हुए कहा,

"मैं तुम्हें बहुत याद करता था।"

तीन वर्ष पहले शायद यह सुनकर काव्या रो पड़ती, आज उसने केवल पूछा,

"अब?"

सौरव कुछ क्षण चुप रहा।

"अब भी।"

ढाक की आवाज़ दोनों के बीच गूंजती रही। सौरव ने बताया कि उसने शादी नहीं की। उसने कई बार काव्या से संपर्क करने के बारे में सोचा था, लेकिन हिम्मत नहीं हुई। उसे अपने निर्णय पर पछतावा था। फिर उसने बहुत धीमे से कहा,

"अगर तुम चाहो... तो हम फिर से शुरू कर सकते हैं।"

काव्या के भीतर जैसे किसी ने वर्षों से बंद संदूक खोल दिया, पहली बारिश, लाल चूड़ियां, चाय की वह छोटी-सी दुकान, उसका कंधा, उसकी आवाज़, और वह लड़की, जो कभी पूरे विश्वास से मानती थी कि प्रेम हर मुश्किल से बड़ा होता है। उसकी आंखें भर आईं, लेकिन इस बार आंसू सौरव के लिए नहीं थे। वे उस लड़की के लिए थे, जिसने कभी अपने प्रेम को बचाने के लिए स्वयं को खो दिया था। काव्या ने धीरे से कहा,

"सौरव, मैंने तुम्हें बहुत प्यार किया था।"

"था?"

काव्या मुस्कुराई।

"नहीं। कुछ प्रेम का समय बीत जाता है, प्रेम नहीं।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

सौरव उसे देखता रहा।

"तो फिर?"

काव्या ने एक लंबी सांस ली।

"लेकिन मैं उस जीवन में वापस नहीं जा सकती, जहां मुझे अपने होने के लिए किसी और की अनुमति चाहिए।"

"मैं बदल गया हूं।"

"शायद।"

"फिर तुम मुझे एक मौका क्यों नहीं देती?"

काव्या ने सामने मां दुर्गा की प्रतिमा की ओर देखा। मां की आंखों में वही शक्ति थी, जिसके सामने वह पिछले तीन वर्षों से सिर झुकाती आई थी, वह धीरे से बोली,

"क्योंकि मैंने तीन साल तुम्हारे लौटने की प्रार्थना की है।"

सौरव चुप रहा, काव्या की आवाज़ और धीमी हो गई।

"अब डर लगता है... अगर तुम लौट आए, तो कहीं मैं फिर खुद से दूर न हो जाऊं।"

सौरव के पास कोई उत्तर नहीं था, कुछ क्षण दोनों चुप खड़े रहे। फिर काव्या ने कहा,

"तुम मेरे जीवन का बहुत सुंदर हिस्सा थे, सौरव। लेकिन अब मैं अपने जीवन की पूरी कहानी तुम्हारे नाम नहीं कर सकती।"

वह मुड़ी और भीड़ में खो गई। उस रात घर लौटकर उसने अपनी पुरानी डायरी निकाली। पहले पन्ने पर अब भी वही वाक्य लिखा था,

"मां, उसे मेरे पास वापस भेज देना।"

काव्या देर तक उसे देखती रही, फिर उसने कलम उठाई। उस वाक्य के नीचे लिख दिया,

"मां, अगली बार मुझे वही मत देना जो मैंने मांगा है।"

उसकी आंखों से आंसू गिर पड़े। उसने आंखें बंद कीं।

"अगर वह मेरे लिए नहीं है, तो उसे वापस मत भेजना।"

कुछ क्षण वह चुप रही, फिर उसके होंठ कांपे—

"इस बार मुझे, मेरी वह ज़िंदगी वापस देना, जिसे मैंने उसके इंतज़ार में कहीं पीछे छोड़ दिया।"

दशमी के दिन वह अकेली विसर्जन देखने गई। मां दुर्गा की प्रतिमा धीरे-धीरे जल में उतर रही थी। ढाक की थाप दूर होती जा रही थी। लाल सिंदूर पानी की लहरों में घुल रहा था। काव्या की मुट्ठी में कुछ था, लाल चूड़ियों का वही पुराना डिब्बा जिसे उसने वर्षों से संभालकर रखा था। उसने डिब्बा खोला, एक पल के लिए उन चूड़ियों को देखा। फिर उन्हें वापस डिब्बे में रखा और अपने पास रख लिया। उन्हें जल में बहाने की जरूरत नहीं थी। कुछ स्मृतियों को नष्ट नहीं किया जाता। बस उनका अधिकार छीन लिया जाता है। मां की प्रतिमा जल में धीरे-धीरे विलीन हो रही थी। काव्या ने हाथ जोड़ दिए। इस बार उसने कुछ नहीं मांगा। ना सौरव, ना बीता हुआ समय, और ना कोई अधूरा भविष्य। बस उसकी आंखों में एक शांत-सी चमक थी। उसे लगा, जैसे उसके भीतर भी कोई पुराना विश्वास धीरे-धीरे विसर्जित हो रहा है, यह विश्वास कि प्रेम को पाने के लिए स्वयं को खो देना पड़ता है। उसने आंखें बंद कर लीं। ढाक की आखिरी थाप हवा में कहीं दूर तक गई, और काव्या ने पहली बार महसूस किया, मां दुर्गा जा नहीं रही थीं। शायद वे पहली बार उसके भीतर रहने आई थीं। उस दिन मां दुर्गा का विसर्जन नहीं हुआ था। बस उसकी प्रार्थना का अर्थ बदलकर उसके भीतर रह गया था।

कवि कॉर्नर

कविता | नरेंद्र कुमार



दशहरा

आया - आया दशहरे का त्योहार।
रावण , मेघनाथ का करो सिंगार।।

रावण का बड़ा पुतला दस सिर वाला।
लम्बी - लम्बी मूंछें मुंह फिर काला।।

पाखंडी बनके सीता का हरण किया।
हनुमान ने भी ढूंढने का प्रण लिया।।

राम - लक्ष्मण ने लंका में युद्ध किया।
राम ने रावण को दण्ड ख़ुद दिया।।

सौंप के राज विभीषण को लंका का।
तीनों लोक में बजा दिया डंका सा।।

कविता | सपना



इंसान

क्यों हर चेहरे पे मुखौटा है ?
क्यों हर शब्द में बनावट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी छवि
औरों पे सवाल उठाता है ।

क्यों हर हँसी कृत्रिम है ?
क्यों हर प्रशंसा छलपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी मर्यादा
औरों को व्यवहार सिखाता है ।

क्यों हर भरोसे में विश्वासघात है ?
क्यों हर कर्म स्वार्थपूर्ण है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना कर्तव्य
औरों को दायित्व समझाता है ।

क्यों हर शब्द में अहंकार है ?
क्यों हर कथन में कड़वाहट है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपना स्वभाव
औरों को नम्रता का पाठ पढ़ाता है ।

क्यों हर व्यवहार में मिथ्या है ?
क्यों हर आचरण में ढोंग है ?
विचित्र है इंसान,छोड़ अपनी वास्तविकता
औरों को यथार्थ दिखाता है ।

हमारे देश में जूतों का बड़ा नाम है...



व्यंग्य | आसिम अनमोल

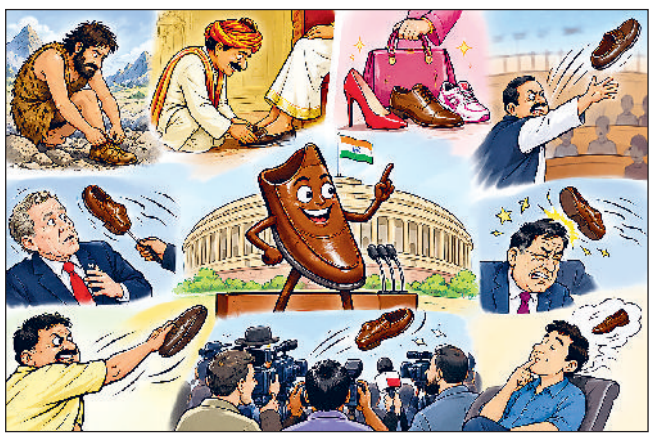

जूतों का इतिहास बेहद प्राचीन और दिलचस्प रहा है , जो मौसम और पथरीली ज़मीन से पैरों की सुरक्षा करने की ज़रूरत से शुरू होकर आज चारों तरफ़ उछल रहा फैशन का सबसे बड़ा हिस्सा बन चुका है। हमारे देश में जूतों की भी अपनी संस्कृति हुआ करती थी। जूतों को बड़े सम्मान से पैरों में पहना जाता था। जूते हमारे पैरों का विशेष ध्यान रखते थे। आज जूते पैरों से उतरकर हाथों की शोभा बढ़ा रहे हैं। आज हाथों से उछलकर संसद तक अपनी प्रतिष्ठा दिखा रहे हैं। जूते कम समय में इतनी बड़ी पहचान बना लेंगे, यह कल्पना भी नहीं की गई थी। यहां कुछ न चल रहा हो लेकिन जूते ऐसे चल पड़ते हैं, जैसे हमारे देश में मुंह उठाकर महंगाई चल पड़ती है। जूतों ने विगत वर्षों में कई ज़ोरदार आवाज़े उठाई हैं। कहीं व्यवस्था, युद्ध या फैसलों से तंग आकर जूता रूपी आवाज़ उठी है। कहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज डब्लू बुश को एक पत्रकार द्वारा यह कहकर तोहफे में दिए गए हैं कि यह इराक के अनाथों और विधवाओं की तरफ़ से विदाई का चुम्बन है। गौरतलब है कि इसी घटना के बाद से जूता फेंककर विरोध जताने का एक अनोखा चलन शुरू हो गया। अब जूते की भी अपनी एक आवाज़ स्थापित हो गई। जैसे नेता बोलने में माहिर होता है, वैसे ही जूता भी अब खामोश नहीं रहता। उछलकर खुद को स्थापित करता है। जूता उछालना और गुस्से का इज़हार करना अब प्रसांगिक हो गया है। यानी जूता जूता होता है। इसलिए जूते से जूते जैसा काम लिया जाता है। जूता उछालने पर सामने वाले की इज्ज़त भले ही जूते जैसी हो जाए। इससे जूते को कोई ख़ास फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि जूता इंसान नहीं जूता होता है। जूते का काम जुबान बनकर सीधा सवाल करना होता है। अब तो मीडिया को भी इंतज़ार रहता है कि कब प्रेस कॉन्फ्रेंस हो और कब जूता किसी की इज्ज़त पर शेयर मार्केट की तरह उछले और हमें बैठे बिठाए कवरेज हासिल हो जाए। यहां जूते को कोई नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता। न ही जूता कोई फ़ालतू चीज़ होता है। जूता जुबान से लेकर हाथों से उछालने या मारने जैसी प्रक्रिया से होकर गुज़रता है। किसी से अनबन हुई तो बंदा तुरंत जूते की फिजिकल फिटनेस का परिचय देते हुए संबोधित करता है कि बेहिसाब पड़ेंगे। अब भले ही पड़े एक भी नहीं। यही तो जूते की सबसे बड़ी विशेषता होती है कि जूता चला भी नहीं और जूते ने अपना काम भी कर दिया। और जहां चला, वहां जूते ने अपना नाम कर दिया। असल में जूते कभी शोरूमों की शोभा एवं पैरों की जीनत हुआ करते थे। दौर बदला तो जूते शोरूमों से बाहर आकर अपनी अहमियत दिखाने लगे। तभी से जूतों ने अपनी ताक़त को पहचानना आरम्भ कर दिया। जिधर देखिए, जूते को फेंककर मारने की परंपरा विकसित होती जा रही है। जूते चलाने में एक सुविधा का जिक्र भी कर दूं कि जुबान थकने से बच जाती है। दिमाग़ की ऊर्जा भी बर्बाद नहीं होती। यानी जूते का काम बड़ा आसान है। इसी लिए हमारे देश में जूते का बड़ा नाम है।

कुछ हटकर

एआई से करियर को दें नई उड़ान

सेंट्रल डेस्क

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल अब केवल तकनीकी कंपनियों तक सीमित नहीं है। शिक्षा, बैंकिंग, मीडिया, डिजिटल विपणन और कारोबार में भी एआई उपकरणों की मदद ली जा रही है। इससे युवाओं के लिए करियर के नए विकल्प सामने आ रहे हैं। एआई सीखने के लिए शुरुआत में महंगी डिग्री जरूरी नहीं, लेकिन बेहतर नौकरी पाने के लिए संबंधित कौशल और व्यावहारिक अनुभव महत्वपूर्ण हैं।

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

कौशल जरूरी

युवा अपनी रुचि और शैक्षणिक योग्यता के अनुसार एआई उपकरणों का उपयोग, डेटा विश्लेषण, प्रोग्रामिंग या मशीन लर्निंग सीख सकते हैं। सरकारी पोर्टल और कई तकनीकी कंपनियां ऑनलाइन प्रशिक्षण के विकल्प उपलब्ध कराती हैं। तकनीकी पदों पर वेतन अधिक हो सकता है, लेकिन कमाई योग्यता, अनुभव और नियोक्ता पर निर्भर करती है। केवल प्रमाणपत्र हासिल करने के बजाय वास्तविक परियोजनाओं पर अभ्यास करना और नौकरी की जरूरतों के अनुसार कौशल विकसित करना जरूरी है।

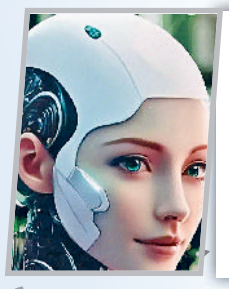

प्रशिक्षण विकल्प

- आईबीएम स्किल्सबिल्डः एआई, डेटा और डिजिटल कौशल के ऑनलाइन पाठ्यक्रम।
- माइक्रोसॉफ्टः एआई की बुनियादी जानकारी और व्यावहारिक उपयोग सीखने के संसाधन।
- कनाइलिटः एआई, मशीन लर्निंग और प्रोग्रामिंग से संबंधित पाठ्यक्रम।

कितनी पढ़ाई जरूरी

- एआई उपकरणों का सामान्य इस्तेमाल सीखने के लिए 10वीं या 12वीं के बाद भी शुरुआत संभव।
- डेटा विश्लेषण के लिए आंकड़ों और कंप्यूटर की बुनियादी जानकारी उपयोगी।
- ड-एआई इंजीनियर या मशीन लर्निंग विशेषज्ञ बनने के लिए प्रोग्रामिंग, गणित और संबंधित तकनीकी ज्ञान जरूरी।
- कुछ तकनीकी पदों पर स्नातक डिग्री या उच्च शैक्षणिक योग्यता मांगी जाती है।

कितनी हो सकती है कमाई

एआई और मशीन लर्निंग से जुड़े कुछ तकनीकी पदों पर शुरुआती वेतन लगभग 4 से 10 लाख रुपये सालाना या अधिक हो सकता है।-डिजिटल सामग्री और एआई उपकरणों से जुड़े शुरुआती कामों में कमाई कम हो सकती है।-स्वतंत्र रूप से काम करने वालों की आय ग्राहकों, परियोजनाओं और काम की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।यहां मिलेंगे अवसर-आईटी कंपनियों, बैंकिंग, ई-कॉमर्स और स्वास्थ्य सेवाओं में।-मीडिया, डिजिटल विपणन और शिक्षा क्षेत्र में।-डेटा विश्लेषण, तकनीकी सहायता और एआई आधारित सॉफ्टवेयर विकास में।-नौकरी के लिए आवेदन करने से पहले संबंधित पद की योग्यता और अनुभव की शर्तें देखें।

मोटिवेशनल

हम अक्सर खुशियों को टालते क्यों रहते हैं ?

हम अक्सर सोचते हैं कि जब हमारी नौकरी बेहतर होगी, आय बढ़ जाएगी या सारी मुश्किलें दूर हो जाएंगी, तब हम चैन से खुश हो पाएंगे। इसी 'तब' के इंतजार में वर्तमान का खूबसूरत पल पीछे छूटता चला जाता है। हम छोटी खुशियों को इस बहाने टाल देते हैं कि अभी बहुत कुछ पाना शेष है। और इसी इंतजार में हम आज को जीना भूल जाते हैं। परंतु जीवन कभी भी समस्याओं से पूरी तरह मुक्त नहीं होता। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी खड़ी हो जाती है। फिर खुश होने के लिए किसी विशेष दिन का इंतजार क्यों करना?



डॉ. रोहित बंसल
मोटिवेशनल स्पीकर

कभी-कभी हम खुशी के इंतजार में उस खुशी को ही खो देते हैं, जो हमारे पास पहले से होती है। अचानक मिलने वाली छोटी सी खुशी भी जीवन को सुंदर बना देती है। खुशी कोई पड़ाव नहीं है, बल्कि उन छोटे पलों का अहसास है जिन्हें हम अक्सर अनदेखा कर देते हैं। खुशी के लिए हमेशा बड़ी उपलब्धियों की जरूरत नहीं होती, कभी-कभी मन का सुकून ही सबसे बड़ी खुशी होता है। अतः जीवन को केवल एक बेहतर भविष्य की प्रतीक्षा में नष्ट न करें। जो खुशी आज आपके पास है, उसका आनंद आज ही लें—क्योंकि जीवन इंतजार करने के लिए नहीं, बल्कि जीने के लिए है। इसके लिए हमेशा खुश रहने के निम्न प्रमुख तरीके अपनाएं।

तुलना करना बंद करें: दूसरों से अपनी तुलना करना छोड़ दें और जो कुछ आपके पास है, उसके लिए आभार (कृतज्ञता) व्यक्त करें।

वर्तमान में जिएं: भविष्य की चिंता या बीती हुई बातों के बारे में ज्यादा सोचने के बजाय आज और इस पल में जीना सीखें।

नियमित व्यायाम और नींद: मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए रोजाना कम से कम 7 से 8 घंटे की भरपूर नींद लें और नियमित व्यायाम करें।

संतुलित आहार लें: अपने खान-पान में ताजे फल, हरी सब्जियां और पौष्टिक आहार को शामिल करें।

लघुकथा

सैन्य अनुशासन

सुबह-सुबह कर्नल साहब ने अपनी रौबदार आवाज में पत्नी से कहा —
"जरा स्टोर की चाबी देना, कुछ निकालना है।"
पत्नी ने चाबी तो थमाई, साथ ही हिदायत भी दी —
"काम हो जाए तो ठीक से ताला बंद कर दीजिएगा, कामवाली आने वाली है।"
कर्नल साहब बड़े एहतियात से स्टोर में गए, कुछ ढूँढा, फिर पूरे आत्मविश्वास के साथ ताला लगाया— क्लिक!
चाबी वापस पत्नी को देते हुए बोले, "मिशन पूरा!"
दोपहर को जब पत्नी जी स्टोर में कुछ निकालने पहुंचीं तो नजर पड़ते ही माथा ठनका।
डंडाले के दो छिद्रों में से ताला ऊपर वाले छिद्र में झूल रहा था यानी ताला तो बस दिखावे का पहरा था!
जो चाहे, बिना चाबी के स्टोर खोल ले!



नील मणि
साहित्यकार

स्टोर के दरवाजे पर दो छिद्रों वाला छोटा डंडाला लगा था जिसमें नीचे वाले छिद्र में रोड डालने के बाद डंडाला नीचे दबा ऊपर से ताला लगाते हैं।
पत्नी ने आवाज लगाई -"सुनिए जरा, आपने ताला लगाया था?"
कर्नल साहब ने गर्व से कहा, "हां, बिल्कुल लगाया था! क्यों?"
"जरा खोल दीजिए"
कर्नल साहब मिशन मोड में बड़े आत्मविश्वास के साथ चाबी लेकर स्टोर की ओर कूच कर गए। ताले में चाबी छिद्र में चाबी डालने ही वाले थे कि देखा- ताला तो शोभा की चीज बना हुआ था। डंडाला तो बिना चाबी के ही खुल गया!
क्षणभर के लिए दोनों की निगाहें मिलीं —
अब पत्नी की आंखों में मौन मुस्कान, कर्नल साहब के चेहरे पर झेंपी हुई बहादुरी और शौर्य से उपजा संकोच तैर रहा था।
पत्नी बुदबुदाई —
"सैन्य अनुशासन घर आते-आते पता नहीं कहां छुट्टी पर चला जाता है।"

खबर संक्षेप

ग्रास रूट्स स्कूल में प्रतियोगिता करवाई

बवानीखेड़ा। ग्रास रूट्स पब्लिक स्कूल में शनिवार को 'अ से अः' प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों की हिंदी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना तथा उनकी शैक्षणिक प्रतिभा को निखारना रहा। विद्यालय की निदेशक वीना रानी भ्याणा ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी आवश्यक है।

संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करें: वीरेंद्र

भिवानी। रविवार को बापोड़ा और बीरन के शक्ति केंद्रों की बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत बनाने, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने तथा केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कौशिक ने कहा कि भाजपा की असली ताकत उसका समर्पित कार्यकर्ता और मजबूत संगठनात्मक ढांचा है।

निरंतरता, प्रेरणा और सही दिशा से मिलती है सफलता

भिवानी। हलवासिया विद्या विहार वमावि के वरिष्ठ विभाग में कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए विशेष करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यालय के पुरातन छात्र एवं भारतीय राजस्व सेवा के वर्ष 2008 बैच के अधिकारी विकास सिंह सांगवान ने बतौर मुख्य वक्ता शिरकत की। विकास सांगवान ने सफलता के तीन प्रमुख सूत्र-निरंतरता, प्रेरणा और सही दिशा बताए।

भाविप ने 21 कन्याओं का पूजन किया

भिवानी। नवरात्रों पर भारत विकास परिषद की लाला लाजपत राय शाखा ने संत कबीर धर्मशाला में कन्या पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम सेवा भारती द्वारा संचालित बाल संस्कार एवं मेहंदी प्रशिक्षण केंद्र के परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें 21 देवी स्वरूप कन्याओं का पारंपरिक विधि-विधान से पूजन कर उनका आशीर्वाद लिया। समारोह में परिषद के सदस्यों ने सभी 21 कन्याओं के चरण पखारकर, मस्तक पर रोली-तिलक लगाया और रक्षासूत्र बांधा।

महंगाई की मार से किसान परेशान: जितेंद्र

भिवानी। किसानों की आय को दुगना करने व किसानों को खुशहाल करने का दावा करने वाली भाजपा सरकार के सभी वादे झुठे साबित हो रहे हैं। भाजपा केवल किसानों को महंगाई की मार, एमएसपी मांगने पर धक्के व लाठियों की मारकर देशद्रोह के मुकदमें बना सकती है, यह बात वरिष्ठ किसान एवं कांग्रेस नेता जितेन्द्र भोलू ने कही। उन्होंने किसानों को एमएसपी के नाम पर 15 रूपये देने पर चिंता व्यक्त की। भोलू ने कहा कि भाजपा सरकार में दिन प्रतिदिन महंगाई बढ़ती जा रही हैं।

अग्रवाल वैश्य समाज के समर्पित कार्य स्वागत योग्य : चिड़ीपाल

ऐसी लागी लगन मीरा हो गई मगन....



भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुती देते हुए। फोटो: हरिभूमि

भजन सम्राट गिरधर दास ने ऐसा समां बांधा की छोटी कांशी भक्तिमय माहौल में डूब गई

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

जयपुर से पहुंचे भजन सम्राट गिरधर दास ने ऐसा समां बांधा की छोटी कांशी के श्रद्धालु भक्तिमय माहौल में ओत प्रोत हो गए। मौका था भिवानी के दादरी गेट राजश्री बैंकेट हाल में आयोजित भव्य भजन संध्या का। अग्रवाल वैश्य समाज भिवानी के तत्वाधान में आयोजित नवरात्रि महोत्सव भव्य भजन संध्या का शुभारंभ व्रन्दावन बांके बिहारी मंदिर के प्रमुख गोंसाई कन्हैया लाल ने दीप प्रज्वलन के साथ किया।भजन संध्या में महोत्सव की अध्यक्षता मुख्यातिथि के तौर पर कलकत्ता से पहुंचे मोहन कुमार चिड़ीपाल ने की। मुख्यातिथि श्री चिड़ीपाल ने भिवानी में अग्रवाल वैश्य समाज की तरफ से चल रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स के कार्यो को अच्छे तरीके से समझा व सुना,इसके पश्चात उन्होंने कहा कि समर्पित भाव से किये जा रहे कार्य प्रशंसा के योग्य हैं,जो कि अविरल चलना बेहद आवश्यक हैं। भजन सम्राट की पवित्र वाणी से ऐसी लागी लगन ,मीरा हो गयी मगन की लाइनें सुनकर श्रोताओं की भी गर्दने मटकने लगी। भजन की महलों में पली, बन के जोगन चली, मीरा रानी दीवानी कहाने लगी के बोल सुनाकर भजन सम्राट ने श्रोताओं को खूब भक्तिरूपी सागर में नहलाया। वहीं राधा और मीरा की पिपासा के स्वर छेड़ते हुए एक राधा,एक मीरा, दोनों ने श्याम को चाहा। अंतर क्या दोनों की चाह में बोलो,एक प्रेम दीवानी,एक दरस दीवानी।

भक्तजनों को प्रसाद बांटा

इस अवसर पर भजन संध्या के अंतिम पलों में अग्रवाल वैश्य समाज की तरफ से समर्पित व निष्ठाभाव से निभाये जा रहे कार्यों को आये हुए मेहमानों ने शपथ के साथ आगे बढ़ाने का भी प्रण लिया। बाद में वहां पर पहुंचे सभी भक्तजनों को प्रसाद दिया। भजन सम्राट गिरधर दास ने ऐसा भक्तिमय मर्म छेड़ा की क्या महिला-क्या पुरुष सब हो गए ओत प्रोत।भजन संध्या में साक्षी के रूप में संत रामझुलन दास महाराज,श्री दादू सेवक समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बुवानीवाला, अग्रवाल वैश्य समाज भिवानी के अध्यक्ष सतीश वैध, महासचिव आशीष मित्तल, कोषाध्यक्ष अखिल मित्तल, ललित मित्तल, उमेश बंसल, महिला प्रधान मनीषा बंसल, प्रवीण अग्रवाल, मनोज गर्ग, सुमित डालमिया रहे।



भिवानी। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाएं। फोटो: हरिभूमि

रामलीला मंचन: मायावी मारीच की मदद से रावण ने किया माता सीता का हरण

लोहारू। आदर्श रामलीला मैदान में इन दिनों रामलीला का मंचन दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। रामलीला मंचन के दौरान भगवान श्री राम के जीवन के महत्वपूर्ण प्रसंगों को मंच पर बेहद सजीव रूप में प्रस्तुत किया गया, जिसे देखकर दर्शक भावविभोर हो गए। आदर्श रामलीला समिति प्रधान संतलाल सैनी, सचिव पवन शर्मा, प्रवीण जोशी, गोपाल तायल आदि ने बताया कि बीते दिवस रामलीला मंचन में लक्ष्मण ने शूर्पणखा की नाक काट दी और वह रोते हुए अपने भाई रावण के दरबार में पहुंची। जिस पर क्रोधित होकर रावण ने सीता का हरण करने का निर्णय लिया और मामा मारीच की मदद से साधु का वेश धारण सीता का हरण कर लिया। रास्ते में जटायु से रावण का युद्ध होता है और सीता अपने आभूषण कपड़े में बांधकर जंगलों में गिरा देती है। मंचन के दौरान भारत सोनी और मुरारी शर्मा द्वारा प्रस्तुत हास्य दृश्यों ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और खूब तालियां बटोरीं। राजबीर पटवारी ने रावण, रिंकू तायल ने शूर्पणखा, जयपाल परिहार ने श्रीराम, विजय ने सीता, संस्कार ने लक्ष्मण, मुरारी शर्मा ने मारीच की भूमिका निभाई। रामलीला कमेटी के प्रधान संतलाल सैनी ने बताया कि रावण वध और लंका दहन जैसे आकर्षक दृश्यों का मंचन किया जाएगा। 21 अक्टूबर को विजय दशमी के पावन अवसर पर बुराई के प्रतीक रावण का दहन किया जाएगा।



भिवानी। दीप प्रज्जवलित करके रामलीला का शुभारंभ करवाते हुए। फोटो: हरिभूमि

अशोक वाटिका उजाड़ने और लंका दहन का जीवंत मंचन

- मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है भगवान श्रीराम का जीवन : सांसद
- मानव जीवन के आदर्शों की एक खुली पाठशाला है रामलीला मंचन : घनश्याम सर्राफ

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

रेलवे रोड स्थित सेठ किरोड़ीमल पार्क में श्री अग्रसेन रामलीला कमेटी (रजि.) के तत्वावधान में आयोजित 11 दिवसीय संपूर्ण रामलीला महोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के 7वें दिन दर्शकों का भारी उत्साह देखने को मिला। अंतरराष्ट्रीय स्तर के कलाकारों द्वारा प्रस्तुत प्रसंगों ने दर्शकों को पूरी तरह भावविभोर कर दिया। मंच पर सीता माता के दर्शन, अशोक वाटिका, लंका दहन और विभीषण की राम शरणागत जैसे प्रमुख प्रसंगों का जीवंत मंचन किया गया। 7वें दिन के मंचन का मुख्य आकर्षण अशोक वाटिका का उजाडऩा और लंका दहन रहा, जिसके दौरान पूरा माहौल जय श्रीराम और जय हनुमान के जयकारों से गुंजायमान हो गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ भिवानी-महेंद्रगढ़ से लोकसभा सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने बतौर मुख्य अतिथि पहुंचकर किया, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता स्थानीय विधायक घनश्याम सर्राफ ने की।

धार्मिक आयोजन रखते हैं संस्कारों को जीवित

इस अवसर पर लोकसभा सांसद चौ. धर्मबीर सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजन हमारी प्राचीन संस्कृति और संस्कारों को जीवंत रखने का सबसे सशक्त माध्यम हैं। भगवान श्रीराम का जीवन चरित्र हमें कर्तव्यनिष्ठा, मर्यादा और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। आज के समय में युवाओं को इन आयोजनों से जुड़कर अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को समझना चाहिए। विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि रामलीला केवल एक मंचन नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन के आदर्शों की एक खुली पाठशाला है। इस मौके पर कमेटी के महासचिव अधिवक्ता अजय सर्राफ, सह संयोजक प्रवीण गर्ग, उप प्रधान पवन भरतिया व सुरेश डब्बेवाला, कोषाध्यक्ष मामनचंद अग्रवाल तथा सदस्य पवन बुवानीवाला, मुरालीलाल तौला, विनोद गोयल, प्रमोद मिंडूका आदि मौजूद रहे।

हनुमानजी ने पार किया सौ योजन समुद्र

- रामलीला में सुंदरकांड पर आधारित प्रसंगों का मंचन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

स्थानीय पुराना शहर स्थित रामलीला रंगमंच पर शनिवार रात रामलीला में सुंदरकांड पर आधारित प्रसंगों का मंचन किया गया। स्थानीय कलाकारों ने हनुमान जी के समुद्र पार कर लंका पहुंचने, अशोक वाटिका में माता सीता से भेंट करने, रावण के दरबार में पहुंचने और लंका दहन की लीलाओं का प्रभावशाली मंचन कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लीला का शुभारंभ मुख्य अतिथि समाजसेवी महावीर कौशिक, देव्या फोगाट, आव्या फोगाट, अधिवक्ता अनिल साहू और अशोक अग्रवाल ने किया।

इस दौरान रामलीला कमेटी के प्रधान रविंद्र फोगाट और महासचिव संदीप प्रधान सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मंचन के दौरान समुद्र तट पर वानर सेना के सौ योजन लंबे समुद्र को पार करने पर विचार करने का प्रसंग दिखाया।



चरखी दादरी। श्रीरामलीला का मंचन करते कलाकार। फोटो: हरिभूमि

हनुमानजी को शक्ति का स्मरण करवाया

सभी वानरों के असमर्थता जताने पर जामवंत ने हनुमानजी को उनकी शक्तियों का स्मरण करवाया। इसके बाद हनुमानजी ने समुद्र पार करने के लिए छलांग लगाई। लंका पहुंचने पर हनुमान जी का सामना द्वार रक्षक लंकिनी से हुआ। उसे परास्त कर वे लंका में प्रवेश कर गए और माता सीता की खोज शुरू की। इस दौरान उनकी भेंट श्रीराम के परम भक्त विभीषण से हुई। विभीषण के बताए मार्ग पर हनुमान जी अशोक वाटिका पहुंचे। वहां पेड़ पर छिपकर उन्होंने श्रीराम की महिमा का गुणगान किया और माता सीता को श्रीराम की मुद्रिका देकर अपना परिचय दिया।

भरत मिलाप का प्रसंग सुनाया

- श्रीराम और भरत का संबंध प्रेम त्याग, समर्पण और आदर्श पारिवारिक संस्कारों की अनुपम मिसाल: श्री रामझूलन दास

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

श्रीराम और भरत का संबंध केवल दो भाइयों का रिश्ता नहीं, बल्कि प्रेम, त्याग, समर्पण और आदर्श पारिवारिक संस्कारों की अनुपम मिसाल है। ये उद्गार संत श्री रामझूलन दास जी महाराज ने अखिल भारतीय श्री दादू सेवक समाज द्वारा स्थानीय राजश्री बैंकेट हॉल में आयोजित श्री राम कथा के आठवें दिन भगवान श्रीराम और भरत के मिलाप के मार्मिक प्रसंग सुनाते हुए कहे। संत श्री के मुखारविंद से भरत मिलाप का भावपूर्ण प्रसंग सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। रामझूलन दास जी महाराज ने कहा कि भरत का चरित्र हमें सिखाता है कि सच्चा प्रेम स्वार्थ और अधिकार की भावना से ऊपर होता है। अयोध्या का राजसिंहासन प्राप्त होने के बावजूद भरत ने उसे स्वीकार नहीं किया, क्योंकि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण अपने बड़े भाई श्रीराम का था।

श्रीराम के आदर्शों को जीवन में उतारें

उन्होंने बताया कि जब श्रीराम ने पिता दशरथ के वचन और अपनी मर्यादा का पालन करते हुए वनवास की अवधि पूरी करने का संकल्प दोहराया, तब भरत ने उनकी चरण पादुकाएं लेकर अयोध्या लौटने का निर्णय लिया। भरत ने श्रीराम की पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर स्वयं सेवक और प्रतिनिधि के रूप में राज्य का दायित्व निभाया। उनका यह त्याग भारतीय संस्कृति में कर्तव्यनिष्ठा, भाईचारे और आदर्श नेतृत्व का प्रेरणादायी उदाहरण है। संतश्री ने कहा कि आज के समय में भरत मिलाप का प्रसंग और भी प्रासंगिक है। परिवारों में बढ़ती दूरियों और स्वार्थ की भावना के बीच श्रीराम और भरत का जीवन हमें प्रेम, सहनशीलता, बड़ों के सम्मान और रिश्तों की गरिमा बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि वे श्रीराम के आदर्शों को केवल कथा तक सीमित न रखें, बल्कि उन्हें अपने व्यवहार और जीवन में भी अपनाएं।



भारत विकास परिषद की भारत को जानो प्रतियोगिता में 10 स्कूलों ने लिया भाग

चरखी दादरी। भारत विकास परिषद शाखा दादरी की ओर से प्रेम नगर स्थित एपीएस स्कूल परिसर में अंतरविद्यालय प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भारत को जानो का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शाखा के अंतर्गत आने वाले 10 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति, इतिहास, महापुरुषों, राष्ट्रीय गौरव और देश की उपलब्धियों से परिचित कराना रहा। प्रतियोगिता के कनिष्ठ वर्ग में सीबीएस स्कूल मोड़ी ने प्रथम, बेस मॉडल स्कूल ने द्वितीय और आर्य स्कूल झोझू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वरिष्ठ वर्ग में आर्य स्कूल झोझू प्रथम, सीबीएस स्कूल मोड़ी द्वितीय और बेस मॉडल स्कूल तृतीय स्थान पर रहे। कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली सीबीएस स्कूल मोड़ी की टीम और वरिष्ठ वर्ग में प्रथम रही आर्य स्कूल झोझू की टीम 15 नवंबर को रतिया में आयोजित होने वाली प्रांतीय स्तर की प्रतियोगिता में चरखी दादरी शाखा का प्रतिनिधित्व करेंगी। वक्ताओं ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि करने के साथ उनमें राष्ट्रप्रेम, संस्कार और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करती हैं। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष हरीश गर्ग, वित्त सचिव मुकेश आदमपुरिया, महिला गतिविधि संयोजक रेखा मदान, जया मित्तल, देवकीनंदन, विनोद और पर्यावरण संयोजक अनुराधा गर्ग आदि उपस्थित रहे।

मजबूत हो रहा कांग्रेस संगठन

- हरियाणा कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और प्रभारी संजय दत्त का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

हरियाणा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और प्रदेश प्रभारी संजय दत्त के रविवार को तोशाम आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। कस्बा तोशाम में दोनों वरिष्ठ नेताओं के पहुंचने पर वरिष्ठ नेता उमेश भारद्वाज और उनकी टीम द्वारा तोशाम-हांसी रोड पर स्वागत किया गया। इस मौके पर उमेश भारद्वाज ने दोनों शीर्ष नेताओं के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में कांग्रेस संगठन धरातल पर निरंतर मजबूत हो रहा है।



भिवानी। प्रदेशाध्यक्ष को स्मृति चिंह देकर सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

युवाओं में नया विश्वास पैदा हुआ

उन्होंने कहा कि राव नरेंद्र सिंह और संजय दत्त के नेतृत्व में पार्टी जनहित के मुद्दों को पूरी प्रखरता से उठा रही है, जिससे आम जनता और युवाओं में कांग्रेस के प्रति नया विश्वास पैदा हुआ है। भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा में मौजूदा समय में किसान, मजदूर, व्यापारी और युवा वर्ग विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। हमारे प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह और प्रभारी संजय दत्त की जोड़ी पूरे प्रदेश में घूम-घूम कर संगठन में नई ऊर्जा का संचार कर रही है। इस अवसर पर भरत भारद्वाज, जितेंद्र सोनी, शंकर शर्मा, बबला पाराशर, जोरा काजल, विजय काजल, रामफल मास्टर, राजेंद्र शर्मा, अशोक कुमार, किशोरी पंडित, रामनिवास, नरेंद्र कुमार सहित समस्त फरटिया टीम वे अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आदर्श स्कूल में दशहरा पर्व पर रंगारंग कार्यक्रम, 12 फुट ऊंचे रावण का दहन



बवानीखेड़ा। आदर्श वमावि में दशहरा पर्व के उपलक्ष्य में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता, हनुमान और वानर सेना के स्वरूप धारण कर अपनी शानदार प्रस्तुतियों से उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। दशहरा पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम में ऋषभ, सक्षम, विनय, पुष्पक, निशा, साक्षी, गोरी और नेहा सहित लगभग 60 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने अपनी वेशभूषा और प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों तथा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में सचिन और बनीत द्वारा तैयार किए गए 12 फुट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। विद्यालय निदेशक विकास यादव और प्रधानाचार्य एवं समाजसेवी ताराचंद यादव ने सभी विद्यार्थियों को दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि दशहरा हमें जीवन में सत्य, सदाचार और अच्छे संस्कारों को अपनाने की प्रेरणा देता है।

प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है: प्राचार्य

बवानीखेड़ा। वीर शहीद कपिल देव जी राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बालिका मंच का आयोजन किया गया। कार्यक्रम विद्यालय के प्राचार्य दिनेश कुमार के नेतृत्व में आयोजित हुआ। इस अवसर पर शिक्षिकाओं सोनू, वंदना और गीता, गोल्डी सहित अन्य शिक्षिकाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। प्रतियोगिता में विद्यालय के अनेक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास विकसित करना, उनकी प्रतिभा को निखारना तथा उन्हें अपनी क्षमताओं को पहचानने के लिए प्रोत्साहित करना रहा। बालिका मंच के माध्यम से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने और विभिन्न गतिविधियों में सहभागिता करने का अवसर मिला। प्राचार्य दिनेश कुमार ने कहा कि बालिका मंच जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में कोई न कोई विशेष प्रतिभा होती है। आवश्यकता केवल उसे उचित अवसर और मार्गदर्शन प्रदान करने की है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उनमें नेतृत्व क्षमता, अनुशासन तथा सामाजिक जागरूकता का विकास होता है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाना भी है। इसके लिए विद्यालय में समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक एवं सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

सुनील सैन ओबीसी समाज के सशक्तिकरण, सम्मान एवं विकास के मुद्दों को प्रभावी ढंग से

भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सुनील सैन का किया अभिनंदन

सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक सुनील सांगवान व उमेद पातुवास सहित सर्वसमाज ने दी शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा हरियाणा का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त होने पर इंजीनियर सुनील सैन के सम्मान में भाजपा जिला कार्यालय कमलम में स्वागत एवं अभिनंदन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट राष्ट्रदीप परमार ने की। समारोह में भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह, दादरी विधायक सुनील सतपाल सांगवान और बाढ़ड़ा विधायक उमेद पातुवास विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अवसर पर चेयरपर्सन सुनीता दांगी, जिला महामंत्री रविंद्र शिलगर, जिला उपाध्यक्ष जगदीशराय फौगाट, जगदीश परमार, डॉ. संजीव मड़िया, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. बलवान सांगवान, रामफल फौगाट, किदारनाथ सरोहा, एडवोकेट वितिन सांगवान, भुनेश गोयल, नवीन सैनी व लीलाराम हिंदुस्तानी आदि मौजूद रहे।



चरखी दादरी। कार्यक्रम में मौजूद सांसद, विधायक, पदाधिकारी व कार्यकर्ता।

नई जिम्मेदारी मिलने पर दी बधाई

सांसद धर्मबीर सिंह और दोनों विधायकों ने सुनील सैन को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और सामाजिक सहभागिता को महत्वपूर्ण बताया। साथ ही उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में ओबीसी समाज के सशक्तिकरण, सम्मान और विकास से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। समारोह में सर्वसमाज के गणमान्य नागरिकों ने भी भाग लेकर सुनील सैन को शुभकामनाएं दीं। वक्ताओं ने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन, मुख्यमंत्री के नेतृत्व और पार्टी के संगठनात्मक दिशा-निर्देशों के अनुरूप जनकल्याणकारी कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

प्रदूषण मुक्त दिवाली- हमारा संकल्प शुरू

भिवानी। भारत माता सेवा मंडल द्वारा आगामी दिवाली के पावन पर्व पर पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने और नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए एक विशेष जागरूकता अभियान प्रदूषण मुक्त दिवाली – हमारा संकल्प की शुरुआत एम सी कॉलोनी सेंट्रल पार्क से की गई है। इस आशय की जानकारी मंडल के अध्यक्ष एडवोकेट पदम सिंह चौहान एवं संरक्षक गणपत राय जसूजा,पूर्णमल शर्मा ने दी। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य त्योहार की पारंपरिक पवित्रता को बनाए रखते हुए हवा और ध्वनि प्रदूषण को कम करना है। हवा को जहरीली होने से बचाने, बुजुर्गों, मरीजों और बेजुबान पशु-पक्षियों को अत्यधिक शोर से सुरक्षित रखने के लिए पारंपरिक पटाखों का उपयोग न करने की अपील की गई है।

खबर संक्षेप

गायक मुकेश ढिल्लों ने 27वीं बार किया रक्तदान

चरखी दादरी। रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने और जरूरतमंदों की मदद के उद्देश्य से रक्तवीर परिवार दादरी से जुड़े भजन गायक मुकेश ढिल्लों ने 27वीं बार स्वैच्छिक रक्तदान किया। रक्तवीर परिवार के संयोजक राजेश सोनी ने बताया कि मुकेश ढिल्लो नियमित रूप से रक्तदान कर जरूरतमंद लोगों की सहायता कर रहे हैं। इस अवसर पर श्री कृष्णा ब्लड सेंटर के डॉ. गोविंद ने बैज लगाकर उनका उत्साहवर्धन किया।

खुशियों की दीवार ने बांटे लहंगा और चुन्नी

चरखी दादरी। खुशियों की दीवार की ओर से सामाजिक सरोकारों के तहत स्थानीय भिवानी रोड स्थित स्लम बस्तियों में जरूरतमंद बेटियों को निशुल्क लहंगा-चुन्नी वितरित किए गए। इसके साथ ही जरूरतमंद परिवारों को रोजमर्रा का सामान भी उपलब्ध कराया गया। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों की सहायता करना और उनके जीवन में खुशियां लाना है। खुशियों की दीवार के संचालक संजय रामफल ने बताया कि संस्था पिछले 10 वर्षों से रिश्तों की गर्माहट अभियान चला रही है।

गांव शीशवाला में शिविर में किया रक्तदान

चरखी दादरी। विजय दशमी पर गांव शीशवाला के राजकीय स्कूल परिसर में वंचित जनजागृति ट्रस्ट और ग्राम पंचायत के संयुक्त सहयोग से 263वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच विकास ने की, जबकि झोझू व्यापार मंडल के प्रधान नरेश ठेकेदार मुख्य अतिथि रहे। मुख्य अतिथि नरेश ठेकेदार ने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति को नया जीवन मिल सकता है।

एचडी किड्स केयर सेंटर में मनाया दशहरा पर्व

चरखी दादरी। एचडी किड्स केयर सेंटर समसपुर में दशहरा पर्व हर्षोल्लास से मनाया। कार्यक्रम में नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान बच्चों को दशहरा पर्व के महत्व से अवगत करवाते हुए भगवान श्रीराम के आदर्शों और सत्य की विजय का संदेश दिया। बलराज फौगाट ने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बच्चों को भारतीय संस्कृति को समझने का अवसर मिलता है।

राम का नाम तो सब दुखों से तारणहारा : संत कंवर साहेब

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हिंदुस्तान में घटित एक कथा को अगर जीवन में उतार लिया जाये तो कोई शास्त्र पढ़ने की आवश्यकता नहीं है वो कथा है-राम कथा। राम का नाम तो सब दुखों से तारणहारा है। उसी कथा से प्रेरित होकर हम दशहरा और दिवाली बनाते हैं। हमारे सर पर हर पाल काल बैठा है रावण के रूप में लेकिन आपके हृदय में राम भी बैठा है बस इसे पहचानने की आवश्यकता है।

दशहरा हमें याद दिलाता है कि अगर रावण बनोगे तो युगों युगों जलायें जाओगे घृणा के पात्र बनोगे लेकिन अगर राम बनोगे तो युगों युगों पूजे जाओगे और आदर्शों के पात्र बनोगे। यह सत्संग वचन परम संत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने साध संगत के समक्ष फ़रमाये। उल्लेखनीय है कि हर वर्ष दशहरे का सत्संग दिल्ली की नीलवाल गांव में स्थित शाखा में होता है आज उसी उपलक्ष्य में हुजूर सरसंग फ़रमा रहे थे। हुजूर कँवर साहेब ने संगत को विजयदशमी और आने वाले त्योहार दीपावली की शुभकामनायें देते हुए कहा कि रामायण के प्रसंग ना केवल रोचक है अपितु वे जीवन जीने का मंत्र भी देते हैं। रामायण ना सिर्फ हमारे आध्यात्मिक जीवन को बल प्रदान करती है बल्कि रामायण हमें सामाजिकता का पाठ भी पढ़ाती है। उन्होंने फरमाया कि संतमत की वास्तविक शिक्षा श्री राम के चरित्र से लो। सत्संग का सार रामायण में हैं। जब रामायण को अपने अंदर उतार लोगे तभी सत्य के मर्म को समझोगे। हुजूर साहेब ने कहा कि जो कर्म हम अपनी रजा से करते हैं उसमें त्रुटि होती है क्यूँकि उसमे मन का भोग जुड़ा होता है। इस संसार में इंसान सब रस भोगता है लेकिन परमात्मा की भक्ति का रस नहीं चखता।



भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब। फोटो : हरिभूमि

मन वचन और कर्म से किसी को पीड़ा मत दो

जीवन में परमात्मा के ऋणी रहो और मन वचन और कर्म से किसी को पीड़ा मत दो। अच्छी संगति करो महापुरुषों के शरणाई रहो क्यूँकि जिसका संग करोगे उसी के गुण आपके अंदर आयेंगे। गुरु महाराज ने कहा अपनी संतान को रामायण का पाठ कराओ। अगर संतान बिगड़ गई तो समझो सकुच बिगड़ गया। अपनी संतान को राम बनाओ ज्ञान का दीपक अंतस में जलाओ फिर हर दिन विजयदशमी है। अपने भीतर राम पैदा करो रावण अपने आप मर जाएगा। दूसरों को सुख दो आप स्वतः सुखी हो जाओगे। उन्होंने कहा कि विजयदशमी तभी सार्थक है जब हर पल राम नाम की चाह रखोगे लेकिन मन में राम नाम तभी टिकेगा जब हमारा मन बुराइयों से खाली हो जायेगा। मन रूपी पात्र को पहले खाली करो ताकि उसमे सतगुरु के सत्संग वचनों को भर सको । मन से तन से और धन से दूसरों की सेवा करो। जब तक आपके हाथ पैर चलते है उनसे काम करो।

राम का नाम करता है आपके मूल का सुधार

हुजूर ने फ़रमाया कि जहाँ राम है धर्म और मर्यादायें भी वहा हैं। आज के समय में हमें हर दिल में राम को जिंदा रखने की आवश्यकता है क्योंकि राम का नाम आपके मूल का सुधार करता है। बिना मूल सुधारे भक्ति नहीं हो सकती और मूल सुधरेगा गुरु से। गुरु धारण करने की योग्यता आपमें होनी चाहिए।गुरु आपकी बुराई को प्रकट करके उसे अच्छाई में बदलता है। गुरु दर्पण की भाँति है जो आपको आपका यथार्थ दिखाता है। गुरु वचन पर डट कर ही आप काल के फंदे काट सकते हैं।

छात्राओं ने नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली

बाढ़ड़ा। नशामुक्त युवा-विकसित भारत अभियान के अंतर्गत नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन राजकीय महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो.अनिल कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की स्वयंसेविकाओं ने भाग लिया तथा नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर छात्राओं एवं स्वयंसेविकाओं ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने की शपथ ली। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अनिल कुमार ने कहा कि युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहना चाहिए।

चरखी में बाबा ठाडेश्री ओपन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

ओपन महिला फुटबॉल स्पर्धा में चरखी की टीम ने स्लम दिल्ली को दी पटकनी



चरखी दादरी। अतिथियों के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने वाली खिलाड़ी।

पहले दिन हुए छह रोमांचक मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

गांव चरखी में बाबा ठाडेश्री ओपन महिला फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि यूएमसी मानकावास के हेड मैनेजर हरिकिशन ने किया। इस अवसर पर जिला पार्षद रविंद्र लहरी, सरपंच भूपेंद्र सांगवान, आईआरएस अधिकारी विकास सांगवान और जिला खेल अधिकारी विष्णु भगवान विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम में गीतांजलि हॉस्पिटल के नरेंद्र वशिष्ठ, थाना प्रभारी एसआई सतबीर सिंह, एसआई नरेंद्र कुमार, एएसआई राहुल व अलार अकादमी के अरुण श्योराण सहित फुटबॉल कमेटी के सदस्य और ग्रामीण मौजूद रहे। प्रतियोगिता के पहले दिन छह मुकाबले खेले गए, जिनमें अजमेर की टीम ने बाल्हंबा को, मंगाली ने एलपीयू यूनिवर्सिटी को, स्लम दिल्ली ने कैलरम कैथल को तथा रेंजर्स दिल्ली ने बालावास जाट की टीम को हराकर अगले दौर में जगह बनाई। झज्जर की टीम ने पेनल्टी शूटआउट में जींद को पराजित किया। वहीं मेजबान चरखी की टीम ने स्लम दिल्ली को 2-0 से हराकर जीत दर्ज की। मुकाबलों के दौरान खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया।

फाइनल मुकाबला 20 को होगा

इस अवसर पर अतिथियों ने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं बेटियों को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने और आगे बढ़ने के अवसर प्रदान करती हैं। महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के साथ ही इस प्रकार के आयोजन खेल भावना, अनुशासन और महिला सशक्तीकरण को मजबूत करते हैं। प्रतियोगिता के आयोजन में फुटबॉल कमेटी के सदस्यों ने जिम्मेदारी निभाई। आयोजन को लेकर ग्रामीणों और फुटबॉल प्रेमियों में उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला 20 अक्टूबर को सुबह 10 बजे खेला जाएगा।



चरखी दादरी। प्रतियोगिता के दौरान मंच पर मौजूद अतिथि व आयोजक।

20वीं नेशनल जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए चयन स्पर्धा कल

चरखी दादरी। जिला एथलेटिक्स संघ की ओर से 20वीं नेशनल इंटर डिस्ट्रिक्ट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए जिला स्तरीय चयन स्पर्धा 20 अक्टूबर को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रानीला में आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता की सभी स्पर्धाएं सुबह 8 बजे शुरू होंगी। जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव राजेश फौगाट ने बताया कि चयन स्पर्धा में अंडर-14 और अंडर-16 आयु वर्ग के लड़के व लड़कियां भाग ले सकेंगे। चयनित खिलाड़ी 14 से 16 नवंबर तक हैदराबाद में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। उन्होंने बताया कि अंडर-14 वर्ग में ट्रायथलॉन ए, बी, सी और किड्स जैवलिन के मुकाबले होंगे। अंडर-16 वर्ग में 60 मीटर, 600 मीटर दौड़, हर्डल्स, जंप, थ्रो और पेंटाथलॉन सहित विभिन्न स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। खिलाड़ियों को आवेदन फार्म के साथ जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड और रिहायशी प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।



भिवानी। दिल्ली हाफ मैराथन के विजेता पिता पुत्र। फोटो : हरिभूमि

हाफ मैराथन में पिता-पुत्र की जोड़ी ने बनाया बेस्ट पेस

- बच्चों को उपदेश देने की बजाय माता-पिता खुद उनके सामने मिसाल बनकर खड़े हो : श्रीपाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

देश की राजधानी में आयोजित वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2026 में भिवानी सेक्टर-23 निवासी पूर्व सैनिक श्रीपाल यादव व उनके इंजीनियर बेटे संजीव कुमार यादव ने एक साथ कदमताल करते हुए न केवल 21 किलोमीटर की दूरी सफलतापूर्वक तय की, बल्कि दोनों ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ गति भी दर्ज किया। 41 हजार से अधिक धावकों की रिकॉर्ड भागीदारी वाले खेल उत्सव में पिता-पुत्र की जोड़ी ने फिटनेस, पारिवारिक जुड़ाव और अनुशासन का शानदार संदेश दिया। वहीं शिक्षा जगत से जुड़े सेवानिवृत्त प्रिंसिपल रमेश सोरन ने भी मैराथन दौड़ पूरी कर युवाओं को अपनी ऊर्जा से प्रभावित किया। सेना के कड़े अनुशासन में दशकों जीवन बिताने वाले श्रीपाल यादव के लिए मैराथन केवल दौड़ नहीं, बल्कि अपने जीवन मूल्यों को अगली पीढ़ी में फलीभूत होते देखने का भावुक अवसर था।

बच्चों को करके दिखाएं

मैराथन पूरी करने के बाद उन्होंने कहा कि जिस जुनून एवं फिटनेस को वे वर्षों से अपनी सांसों में समाए हुए हैं, उसी लगन को अपने बेटे के भीतर दौड़ते देखना उनके जीवन के सबसे गौरवशाली पलों में से एक है। अभिभावकों के लिए संदेश साझा करते हुए श्रीपाल यादव ने कहा कि आज के दौर में बच्चों को केवल बातों से समझाना या नसीहतें देना काफी नहीं हैं, माता-पिता को खुद वह आचरण करके दिखाना होगा, जिसकी अपेक्षा वे अपने बच्चों से करते हैं। बच्चे उपदेशों से ज्यादा बड़ों के आचरण, दिनचर्या एवं समर्पण से सीखते हैं। जब घर में अनुशासन एवं स्वास्थ्य के प्रति सजगता का माहौल दिखेगा, तो बच्चे स्वाभाविक रूप से उस दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने युवाओं और अभिभावकों से अपील की कि जीवन की आपाधापी, पढ़ाई और करियर की होड़ के बीच सेहत को कभी पीछे न छूटने दें। पहला सुख निरोगी काया है, स्वस्थ शरीर ही मस्तिष्क को सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास व जीवन के कठिन संघर्षों से लड़ने की असीम शक्ति देता है। श्रीपाल भिवानी में नियमित पौधरोपण व पेड़ों के संरक्षण एवं देखभाल के लिए निरंतर सक्रिय रहते हैं।

कर्मियों ने निजीकरण पर जताया रोष, सांझा मोर्चा ने सरकार की नीतियों को बताया जनविरोधी

भिवानी। बिजली निगम में निजीकरण की नीतियों को लेकर पूरे हरियाणा में कर्मचारियों, किसानों और आम उपभोक्ताओं के बीच भारी रोष पनप रहा है। हरियाणा सरकार की निजीकरण नीतियों के खिलाफ अब उपभोक्ता, किसान व कर्मचारी मिलकर आर-पार की लड़ाई लड़ने के मूड में हैं। हरियाणा बिजली कर्मचारी एवं इंजीनियर संयुक्त संघर्ष मोर्चा ने सरकार के कदम की कड़े शब्दों में निंदा की और आने वाले दिनों में व्यापक आंदोलन का ऐलान किया। सांझा मोर्चा की तरफ से ऑल हरियाणा पावर कारपोरेशन वर्कर यूनियन के सर्कल सचिव अशोक गोयत, हरियाणा पावर इंजीनियर्स एसोसिएशन के प्रवक्ता इंजीनियर नारायण प्रकाश, एचईबी वर्कर यूनियन के सर्कल सचिव मनोज बल्लू बामला, एससी, एसटी व बीसी वेलफेयर एसोसिएशन के सर्कल सचिव कपूरसिंह व पावर कारपोरेशन एससी-बीसी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र सिंह बराड़ ने संयुक्त बयान जारी कर सरकार की जनविरोधी नीतियों पर गहरा रोष जताया।

मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंका

- चौ. बंसीलाल की विरासत को आगे बढ़ाने का काम कर रहे हैं अनिरुद्ध चौधरी : संजय दत्त
- अनिरुद्ध चौधरी की अध्यक्षता में जुटे कांग्रेस नेता, पुतला फूंककर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को तोशाम में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध-प्रदर्शन किया। जिला ग्रामीण अध्यक्ष अनिरुद्ध चौधरी की अध्यक्षता में हुए प्रदर्शन में कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर चुनाव में वोट चोरी करने और लोकतंत्र को कमजोर करने के आरोप लगाए। प्रदर्शन में अंबाला के सांसद वरुण मुलाना, प्रदेश अध्यक्ष राव नरेंद्र, प्रदेश प्रभारी संजय दत्त, प्रदीप नरवाल, जिला शहरी अध्यक्ष प्रदीप गुलिया, कमल प्रधान, संजीत ख्यालिया व कार्यकर्ता पहुंचे।



तोशाम। कस्बे में जुलूस निकालते हुए। फोटो : हरिभूमि

जनता के मुद्दों पर सरकार को घेरा...

अंबाला के सांसद वरुण मुलाना ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए लोगों का जागरूक होना जरूरी है। उन्होंने भाजपा पर मुख्य चुनाव आयुक्त के सहारे वोट चोरी कर विभिन्न राज्यों में सरकारें बनाने के आरोप लगाए। प्रदीप नरवाल ने कहा कि लोकतंत्र और बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के संविधान की रक्षा के लिए कांग्रेस को मजबूती से संघर्ष करना होगा। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि अनिरुद्ध चौधरी चौधरी बंसीलाल की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर तोशाम ब्लॉक प्रधान दिलबाग, कैरू ब्लॉक प्रधान कुलदीप, भिवानी ग्रामीण उपाध्यक्ष रेणुबाला, ब्लॉक प्रधान अनिल नेहरा, सेवादल प्रधान मा. कमल आदि सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।

सालासार धाम के लिए पदयात्रा रवाना

- अंतरात्मा की शुद्धि और भगवान के प्रति अगाध समर्पण का प्रतीक है धार्मिक पद यात्रा : जय सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

श्री बालाजी सेवा समिति बालियाली के तत्वावधान में गांव बालियाली से सालासार धाम के लिए पदयात्रा को रवाना किया गया। इस धार्मिक और पवित्र यात्रा को वरिष्ठ भाजपा नेता जय सिंह वाल्मीकि ने रवाना किया। पद यात्रा में 17 श्रद्धालुओं का जत्था शामिल है, जो लगभग 250 किलोमीटर की लंबी पैदल दूरी तय करते हुए 22 अक्तूबर को सालासार धाम पहुंचेगा। यात्रा के रवाना होने के समय पूरे गांव में भक्तिमय और उत्सव का माहौल देखने को मिला, जहां ग्रामीणों ने श्रद्धालुओं का जोरदार स्वागत किया।



भिवानी। पदयात्रा को रवाना करते हुए। फोटो : हरिभूमि

ऐसे आयोजनों से बढ़ता है भाईचारा

पदयात्रा को रवाना करने के उपरांत वरिष्ठ भाजपा नेता जय सिंह वाल्मीकि ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन हमारी महान भारतीय संस्कृति, अटूट आस्था और सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी जीवित रखने का सबसे बड़ा माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि सालासार धाम की पदयात्रा केवल एक शारीरिक यात्रा नहीं है, बल्कि यह अंतरात्मा की शुद्धि और भगवान के प्रति अगाध समर्पण का प्रतीक है। जय सिंह वाल्मीकि ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी पदयात्रा जैसे अनुशासन भरे धार्मिक कार्यों में भाग लेने से युवाओं में सेवा भाव, सहनशीलता और भाईचारे की भावना प्रबल होती है। रवाना हुए जत्थे में जोगेंद्र, विनोद, संजू, नरेश शर्मा, सतीश सागर, संजय, कृष्ण, सेठी, कपिल, अमित, जसवंत, राजेंद्र, कपिल फौजी, काकू, राजेंद्र, पुनीत, गुल्ली शामिल रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन नं. : 8295154800, 8814999151, 9253681005, 8295157800

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
भिवानी : हरिभूमि, शॉप नं. 47, इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट मार्केट, भिवानी
फोन : 8814999170, दादरी : 9253681008

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश को हटाने, एसआईआर रद्द करने व मताधिकार की रक्षा की मांग

वैध मतदाताओं के वोट काटकर नागरिकों के अधिकार पर किया जा रहा हमला: ओमप्रकाश

- माकपा गांव-गांव अभियान चलाकर एसआईआर के खिलाफ जनसंघर्ष करेगी तेज :

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) की जिला कमेटी की बैठक शहीद भगत सिंह यादगार भवन में पार्टी सचिव मंडल सदस्य कामरेड सुखदेव पालुवास की अध्यक्षता में हुई। बैठक में लिए निर्णयों की जानकारी देते हुए पार्टी जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश ने कहा कि मौजूदा एसआईआर प्रक्रिया के माध्यम से वैध मतदाताओं के वोट काटकर नागरिकों के संवैधानिक अधिकार पर हमला किया जा रहा है। संविधान के अनुच्छेद 326 के तहत प्राप्त मताधिकार की रक्षा के लिए व्यापक जनआंदोलन खड़ा करना समय की मांग है।



भिवानी। एसआईआर को लेकर माकपा की बैठक में चर्चा करते पार्टी सचिव कामरेड ओमप्रकाश। फोटो : हरिभूमि

फॉर्म-6 पर लगाई अनुचित शर्तें हटाई जाएं

कामरेड ओमप्रकाश ने मांग की कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को तुरंत पद से हटाया जाए, भेदभावपूर्ण एसआईआर रद्द की जाए, हटाए गए मतदाताओं के वोट बहाल किए जाएं और फॉर्म-6 पर लगाई गई अनुचित शर्तें हटाई जाएं। चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए निष्पक्ष एवं पारदर्शी कॉलेजियम व्यवस्था लागू करने, चुनाव बैलेट पेपर से करवाने, बिहार, असम व बंगाल के चुनावों को रद्द कर दोबारा करवाने की मांग उठाई। बैठक में निर्णय लिया कि इन मांगों को लेकर गांव-गांव सभाएं की जाएंगी, लोगों को जागरूक किया जाएगा तथा मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने व मताधिकार की रक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन तेज किए जाएंगे। पार्टी ने आरक्षण सम्बन्धी उच्चतम न्यायालय निर्णय से असहमति जताई है, जिसमें पिछड़ी जाति के व्यक्ति द्वारा हिन्दू धर्म से अन्य धर्म में जाने से मान्य आरक्षण सुविधा समाप्त हो जाएगी। शीर्ष अदालत का ये निर्णय संविधान में दिए सभी धर्मों को बराबरी देने व सामाजिक व शैक्षणिक रूप पिछड़ों को बराबरी व सामाजिक न्याय देने के अधिकार का उल्लंघन करता है। ओमप्रकाश ने आरक्षण मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा लगाई 50 प्रतिशत शर्त को भी हटाने के लिए कानून बनाने की मांग की है। बैठक में कामरेड अनिल, मास्टर जगरोशन, रामफल देशवाल, सन्तोष देशवाल, राजेश कुंगड़, सुमेर धारिणी, सदीक डाडम आदि मौजूद रहे।

ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक लड़ाई जारी रहेगी: राव नरेंद्र सिंह

बाढड़ा। हरियाणा कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने कहा कि चुनाव आयोग पार्टी विशेष की कार्यशैली के कारण अपनी विश्वनियता खोता जा रहा है। वोट चोरी के जरिए भाजपा की सरकार बनवाई गई है और ज्ञानेश कुमार को पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

कांग्रेस पार्टी 14 से 24 अक्टूबर तक प्रदेशभर में ब्लॉक स्तर पर प्रदर्शन कर एक नवंबर को राष्ट्रीय मिशन के तहत दिल्ली को जाम करने का काम करेगी। जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पूरा नहीं होगा कांग्रेस चैन से नहीं बैठेगी। यह बात उन्होंने कस्बे में युवा कार्यकर्ताओं से मिलते हुए कही।